

Date: 02/08/2019

To,
The Secretary,
National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, 5th Floor Plot No - 'C' Block,
G Block Bandra-Kurla Complex,
Bandra (E), Mumbai-400051

Subject: Newspaper Clipping.

Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 47 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 kindly find extract of intimation of notice of the 7th Annual General Meeting ('AGM') of the Company to be held on Friday, 23rd August, 2019 at 10:30 A.M. at the Fern Residency, 28/8, Phase II, Industrial & Business Park, Chandigarh - 160002, which was published on 2nd August, 2019, in one English newspaper having nationwide circulation i.e. (Business Standard in English Language) and one in a vernacular newspaper in the principal vernacular language of the district in which the registered office of the company is situated i.e. (Business standard in regional language).

For and on behalf of Board of Directors of
Tara Chand Logistic Solutions Limited


Nisha Kansal
Company Secretary & Compliance Officer

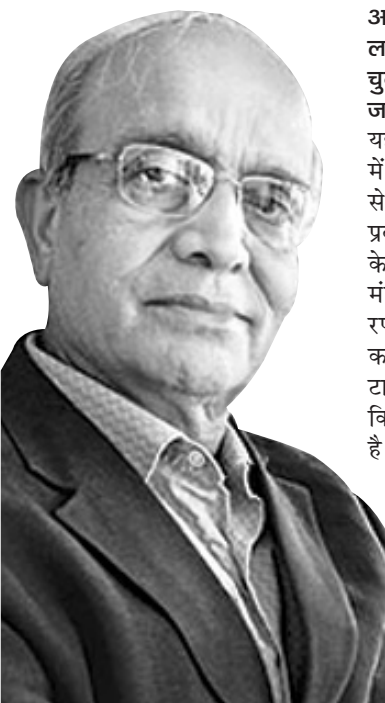


For further details regarding inspection of property, verification of documents, details of E-auction etc. the intending bidders may contact Mr. M K Mishra, Authorized Officer, Indian Bank, SAM Branch, Mumbai during Office hours. Telephone No.: 022-22189381
Mobile No.: 7738152036

बीएस बातचीत

बैटरी की मौजूदा तकनीक छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए नाकाफी : मारुति

मारुति सुजूकी की एक बार फिर मासिक बिक्री घटी है और जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 27 फीसदी फिसला है। कंपनी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने वाहनों की बिक्री में सुस्ती की वजह और इलेक्ट्रिक कार की भविष्य की चुनौतियों के बारे में सुरजीत दास गुप्ता से बातचीत की। मुख्य अंश...



आपकी बिक्री हर महीने घट रही है और लाभ पर भी दबाव है। आपने कहा था कि चुनाव के बाद मंदी नहीं रहेगी, लेकिन यह जारी है। इसकी क्या वजह है? यह वास्तविकता है क्योंकि सरकार की नीति में ऐसा कुछ नहीं है जो ग्राहकों को कार खरीदने से रोकेगी। हम देख रहे हैं कि क्या ऐसी ही प्रवृत्ति एफएमसीजी आदि क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के खर्च की तो नहीं है। मैं डाबर के निदेशक मंडल में हूँ और उस कंपनी की बढ़त की रफ्तार 10 फीसदी नजर आई है। पहली बार कार खरीदार और गाड़ी बदलने वाले खरीदारी टाल रहे हैं। हम सिर्फ अनुमान लगा सकते हैं कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है। हो सकता है वे उम्मीद कर रहे हों कि बीएस-4 कारों पर निर्माता भारी छूट देंगे क्योंकि 1 अप्रैल 2020 से ऐसी कोई कार पंजीकृत नहीं हो सकती, जब बीएस-6 के उत्सर्जन नियम लागू होंगे। या फिर उपभोक्ता को लग रहा होगा कि उन्हें इंतजार करना चाहिए क्योंकि इलेक्ट्रिक कार आने वाली है और उनके

पास काफी विकल्प होंगे।

इन्वेंट्री के लिए कर्ज पर बैंक सख्ती बरत रहे हैं और इसका आपके डीलरों पर असर होगा। क्या यह सही कदम है? बैंकों ने जो कुछ किया है उसे सही ठहराया जा रहा है। कर्ज भुगतान में काफी चूक हुई है क्योंकि कार्यशील पूंजी के लिए रकम लेने वाले डीलरों ने इसे दूसरी जगह लगा दिया। अगर हमारे 22 फीसदी डीलरों ने ऐसा किया तो यह स्पष्ट तौर पर काफी ज्यादा है। हमने डीलरों को शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने की सलाह दी है कि वे एक बैंक से कार्यशील पूंजी लेंगे ताकि कंपनी व लेनदार बेहतर तरीके से इसकी निगरानी कर सकें। निगरानी में ढिलाई हुई है, लेकिन हमने अपने फील्ड फोर्स से कहा है कि वे डीलरों के वित्तीय प्रबंधन पर गहराई से नजर डालें। इसके बिना आप वैश्विक कंपनी नहीं बन सकते।

क्या आपको लगता है कि बैंकों का रवैया ठीक नहीं रहा है?

मुझे लगता है कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि हमारे ज्यादातर डीलरों ने भुगतान में चूक नहीं की है। यह कार्रवाई चूक करने वालों के खिलाफ होनी चाहिए। उधारी से पहले 50 फीसदी कोलेटरल के जरिये इमानदार को पंडित नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई दोषी है तो हम उसकी डीलरशिप रद्द करेंगे और नए की नियुक्ति करेंगे।

क्या बिक्री में गिरावट का असर रोजगार पर पड़ा है?

निश्चित तौर पर। हर कार के जरिए सृजित होने वाली नौकरियों की संख्या पर असर पड़ना तय है। हमने अस्थायी कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया है, लेकिन स्थायी कर्मचारियों के साथ ऐसा कुछ नहीं किया गया है। गुजरात संयंत्र हमारी परिकल्पना के मुकाबले काफी कम क्षमता पर काम कर रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि वाहन उद्योग कर में बड़ा योगदान करता है, जो घटेगा।

संघम

सरकार इलेक्ट्रिक वाहन का एजेंडा तेजी से

आगे बढ़ा रही है। इस पर मारुति की क्या प्रतिक्रिया रही है, खास तौर से छोटी कारों के मामले में?

वास्तव में बैटरी की मौजूदा तकनीक हमें छोटी कार बनाने में सक्षम नहीं बनाती। ऐसी कार को उपभोक्ताओं की उम्मीद पर खरा उतरना होगा मसलन इसकी चार्जिंग का समय कम होना चाहिए और उत्पाद की कीमत कम होनी चाहिए। मुझे लगता है कि अगले पांच से आठ वर्षों में काफी बदलाव होंगे मसलन सॉलिड लिथियम बैटरी या अन्य चीजों की बनी बैटरी आएगी। चार्जिंग के ढांचे के लिहाज से कार के लिए आपको घर में तीन फेज वाली बिजली की दरकार होगी। सवाल यह है कि देश में कितने ग्राहकों के पास घर में ऐसी व्यवस्था है।

लेकिन मारुति सुजुकी ने कहा है कि वह 2020 में इलेक्ट्रिक कार उतारेगी? हां, लेकिन जीएसटी घटाए जाने से पहले हम जितनी बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रहे थे वह 5,000 से ज्यादा नहीं है और यह संख्या काफी छोटी है। मुझे नहीं लगता कि यह वाहन 10 लाख रुपये (वैगन आर) से कम की होगी, लेकिन हम आपको अभी कीमत नहीं बता सकते जबकि इलेक्ट्रिक बैटरी का आयात किया

जाएगा। इस वाहन के लिए हमारे लक्षित ग्राहक कार एग्रीगेटर हैं और हम व्यक्ति विशेष को कार खरीदार के तौर पर नहीं देख रहे। आप ही बताइये कि अगर हम कीमत 8 लाख रुपये रखें तो कितने लोग इसे अभी खरीदेंगे।

भारत में ई-कारों की शुरुआत कब होगी? यह बड़ी कार होगी और हमारे पास ऐसी कोई कार नहीं है। ऐसे में सुजुकी और टोयोटा कुछ ई-कारों पर काम कर रही है। बड़ी ई-कार बेचने का मतलब बनता है क्योंकि ऐसी कारों के मालिक फ्लेटों में नहीं रहते लिहाजा उनके पास घर पर चार्ज करने की सुविधा होगी। जीएसटी में कटौती छोटी के मुकाबले बड़ी कारों पर यह ज्यादा स्पष्ट है।

कई लोगों का कहना है कि बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर हमें इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में तेजी लानी होगी? आईआईटी कानपुर और टेरी की रिपोर्ट बताती है कि प्रदूषण में कारों का योगदान 2-3 फीसदी है। दिल्ली में प्रदूषण में सबसे ज्यादा योगदान रेत का है। लेकिन हमेशा माना जाता रहा है कि कार ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं। बीएस-6 के जरिए इनकी हिस्सेदारी और घटेगी।

सैंसेक्स, निफ्टी के लिए 17 साल में सबसे खराब जुलाई

पुनीत वाधवा नई दिल्ली, 1 अगस्त

अर्थव्यवस्था में सुस्ती और घटते उपभोग के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर बजट में प्रस्तावित कर, कंपनियों की कमजोर आय से जुलाई में धारणा प्रभावित हुई और एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी-50 में करीब 6 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। इन सूचकांकों के लिए यह 17 साल में सबसे खराब महीना रहा। गुरुवार को निफ्टी-50 11,000 से नीचे आ गया और इस तरह से 3 जून के 52 हफ्ते के उच्च स्तर 12,103.05 के स्तर से करीब 9 फीसदी टूटा है।

विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में और मुश्किलें होंगी क्योंकि वैश्विक स्तर पर और देश में होने वाली प्रगति आगे भी धारणा प्रभावित कर सकते हैं। अगले कुछ महीनों में मॉनसून की प्रगति में क्या हो रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने उम्मीद के मुताबिक एक दशक में पहली बार ब्याज दरें घटाई हैं। आर्थिक आंकड़ा भी कमजोर है और एफपीआई के लिए नए



जुलाई में एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी-50 में करीब 6 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई

नियम का असर भी है। लंबी अवधि के लिहाज से हालांकि हमारा नजरिया तेजी का है।

एनएसई पर गंवाने वालों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, वाहन, धातु और बुनियादी ढांचा क्षेत्र अहम रहे। नकारात्मक धारणा ने एफएमसीजी, फार्मा व सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी नहीं बख्शा, जिन्हें उतारचढ़ाव वाले बाजार में दांव लगाने का सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। संबंधित सूचकांकों में क्रमशः एनएसई पर जुलाई

में एक फीसदी व दो फीसदी की गिरावट आई। डाल्टन कैपिटल के प्रबंध निदेशक यू आर भट्ट ने कहा, निफ्टी-50 ने कई अहम समर्थन स्तर तोड़ा है। यह यहां से 3 से 5 फीसदी और टूट सकता है। निवेशकों को अब सावधान रहना चाहिए क्योंकि खबरों का प्रवाह भी उत्साहजनक नहीं है। एफपीआई के कराधान के मसले में समाधान की दरकार है। यह सरकार का काम नहीं है कि वह एफपीआई को कहे कि वह खुद के लिए कैसा ढांचा बनाए।

मिडकैप और स्मॉलकैप में गिरावट और भी ज्यादा रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स जुलाई में 11 फीसदी टूटा जबकि निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 8 फीसीद फिसला। कंपनियों की आय के लिहाज से निफ्टी के 28 शेयरों ने जून तिमाही के आंकड़े 31 जुलाई तक घोषित किए हैं। सेंट्रम ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और शोध प्रमुख जगन्नाथन थुनगुंटला ने कहा, 28 कंपनियों का प्रदर्शन कुल मिलाकर बताता है कि राजस्व 8.2 फीसदी बढ़ा जबकि मुनाफे में 2.2 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। 21 गैर-बीएफएसआई कंपनियों का प्रदर्शन बताता है कि इनका शुद्ध राजस्व साल दर साल के हिसाब से 7.3 फीसदी बढ़ा जबकि शुद्ध लाभ में 11.1 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

पोर्टफोलियो की रणनीति के तौर पर सिटी के प्रबंध निदेशक और भारतीय इक्विटी रिसर्च प्रमुख सुरेंद्र गोयल वित्तीय क्षेत्र पर ओवरवेट हो गए हैं और उन्होंने एसबीआई लाइफ को अपने मॉडल पोर्टफोलियो में जोड़ा है।

आर्सेलरमितल को 44.70 करोड़ डॉलर का घाटा

वैश्विक इस्पात कंपनी आर्सेलर मितल को जून 2019 तिमाही में 44.70 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मुख्यतः कच्चे माल के दाम बढ़ने तथा इस्पात के सस्ता होने के कारण है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे पिछले साल की समान तिमाही में 186.50 करोड़ डॉलर का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी जनवरी से दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। कंपनी ने कहा कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसकी बिक्री मामूली 0.50 फीसदी की तेजी के साथ 19.3 अरब डॉलर रही। कंपनी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यधिकारी लक्ष्मी निवास मितल ने परिणाम के बारे में कहा कि 2018 की मजबूती के बाद 2019 की पहली छमाही में बाजार की परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। भाषा



एमएमटीसी लिमिटेड
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE

touching lives, adding value

सं. एमएमटीसीसीओ/कॉम्प/चेकवॉरंट/19-20/1324/01

दिनांक: 01/08/2019

एमएमटीसी लिमिटेड द्वारा एमएमटीसी सीओ कॉम्पलेक्स लोधी रोड, नई दिल्ली में 03.09.2019 से 02.09.2020 तक जो 02.09.2020 तक ऑनलाईन सेल ऑफ चेकवॉरंट फायरवॉल का कॉम्प्लेक्सिव वार्षिक रख-रखाव अनुबंध एवं लाईसेन्सों के नवीनीकरण हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

बिड जमा करने की अंतिम तिथि **23.08.2019 (शुक्रवार) को 1200 बजे भागसा।** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया <https://mmtclimited.com> एवं <https://mmtc.abcpurchase.com> एवं <https://eprocure.gov.in> देखें।

नोट: उपरोक्त ईओआई से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर जारी किया गया तो उसे सिर्फ उपरोक्त वेबसाइट पर ही डाला जाएगा।

जी के शेयरों पर बना रहेगा दबाव हिस्सेदारी बिक्री से प्रवर्तक समूह के कर्ज का सिर्फ 38 फीसदी ही मिल पाया

राम प्रसाद साहू मुंबई, 1 अगस्त

प्रवर्तकों की तरफ से जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की हिस्सेदारी बेचने के बावजूद कंपनी का शेयर गुरुवार को 4 फीसदी टूट गया। प्रवर्तकों के गिरवी शेयर और हिस्सेदारी बिक्री पर हो रही बातचीत से शेयर पर दबाव था, लेकिन घोषणा के बाद भी इस शेयर में तेजी नहीं आई। आज के नुकसान के साथ यह शेयर एक साल में एक तिहाई कीमत गंवा चुका है।

ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि 4,200 करोड़ रुपये में जी एंटरटेनमेंट की 11 फीसदी हिस्सेदारी इन्वेस्को ओपनहेमर को बेचने के बाद भी अल्पावधि की चिंता दूर नहीं हुई क्योंकि समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के बदले 11,000 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज के भुगतान के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं है।

मॉर्गन स्टैनली के पराग गुप्ता और शलभ गोविल ने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री से प्रवर्तक की देनदारी का सिर्फ 38 फीसदी हिस्सा पूरा होगा। बाकी का भुगतान गैर-मौडिया परिसंपत्तियों की बिक्री के जरिए पूरा होगा, ऐसे में जी की और हिस्सेदारी बेचने की दरकार पड़ सकती है। उनका मानना है कि यह हालांकि पहला कदम है, लेकिन यह अभी तक शेयर पर

अभी बना रहेगा संकट



दबाव कम नहीं कर पाया है। इसके अलावा यह सौदा बुधवार के बंद भाव के 10.6 फीसदी प्रीमियम पर हुआ, वहीं बाजार 15-20 फीसदी प्रीमियम की उम्मीद कर रहा था। बाजार को उम्मीद थी कि कंपनी रणनीतिक निवेशक को शामिल करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रबंधन ने संकेत दिया कि यह सौदा जुलाई के आखिर तक पूरा करने की जरूरत ने उन्हें रणनीतिक निवेशक के विकल्प की तलाश से रोका। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक तकनीकी व मौडिया कंपनियों को हिस्सेदारी बिक्री से कंपनी के डिजिटल पहुंच के

- जी एंटरटेनमेंट की 11 फीसदी हिस्सेदारी इन्वेस्को ओपनहेमर को करने के बाद भी अल्पावधि की चिंता दूर नहीं हुई
- समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के बदले 11,000 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज के भुगतान के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं है
- हिस्सेदारी बिक्री से प्रवर्तक की देनदारी का सिर्फ 38 फीसदी हिस्सा पूरा होगा। बाकी का भुगतान गैर-मीडिया परिसंपत्तियों की बिक्री के जरिए पूरा होगा, ऐसे में जी की और हिस्सेदारी बेचने की दरकार पड़ सकती है



QUANTUM MUTUAL FUND
Profit with Process

Investment Manager: Quantum Asset Management Company Private Limited
7th Floor, Hoechst House, Nariman Point, Mumbai - 400021, India
Toll Free No.: 1800-209-3863/1800-22-3863; **Toll Free Fax No.:** 1800-22-3864
Email: CustomerCare@QuantumAMC.com; **Website:** www.QuantumMF.com **CIN:** U65990MH2005PTC156152

NOTICE NO.3 /2019

Notice

Notice is hereby given to the Investors/Unit holders of all the Scheme(s) of Quantum Mutual Fund (Fund) that in accordance with Regulation 56 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with SEBI Circular No. SEBI/HO/IMD/DF2/CIR/P/2018/92 dated June 5, 2018, Annual Report of the schemes of the Fund for the year ended March 31, 2019, is hosted on the website of the company www.QuantumAMC.com / www.QuantumMF.com and on the website of Association of Mutual Funds in India (AMFI).

Investors/Unit holders can submit a request to receive a physical or electronic copy of the Annual Report of the schemes of the Fund at free of cost either through Short Messaging Service (SMS) - <QMF Annual Report> to 9243223863 / Telephone - 1800-22-3863 / 1800-209-3863 / Email-CustomerCare@QuantumAMC.com / Written Request through a physical Letter addressing to Quantum Asset Management Company Private Limited, 7th Floor, Hoechst House, Nariman Point, Mumbai-400 021.

For Quantum Asset Management Company Private Limited
(Investment Manager – Quantum Mutual Fund)

Sd/-
Jimmy A Patel
Managing Director and Chief Executive Officer
DIN: 00190211

Place: Mumbai
Date: July 31, 2019

Mutual fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

तारा चंद लॉजिस्टिक सलूशन्स लिमिटेड

CIN: L63090CH2012PLC033556

पंजीकृत कार्यालय: 342, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज I, चंडीगढ़-160002, भारत

दूरभाष: 0172-2650380 वेबसाइट: www.tarachanindia.in

7वीं वार्षिक साधारण बैठक ('एजीएम') की सूचना

बही बंद रहने की जानकारी

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि संबंधित एजीएम के आह्वान में उल्लिखित व्यवसायिक पहलुओं पर चर्चा करने के लिए तारा चंद लॉजिस्टिक सलूशन्स लिमिटेड ('कंपनी') के सदस्यों की 7वीं वार्षिक साधारण बैठक ('एजीएम') शुक्रवार, 23 अगस्त, 2019 को सुबह 10.30 बजे दि. फर्न रेसिडेंसी, 28/8, फेज II, इंडस्ट्रियल एवं बिजनेस पार्क, चंडीगढ़-160002, भारत में आयोजित होगी। कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 91 तथा सेबी ('सूचीकरण दायित्व तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं'), विनियमन, 2015 ('सूचीकरण विनियमन') के साथ पठित सेबी (एलओडीआर) (संशोधन) विनियमन, 2018 के अनुपालन के तहत उक्त एजीएम के लिए कंपनी के सदस्यों के रजिस्टर तथा शेयर अंतरण बही शुक्रवार, 16 अगस्त, 2019 से शुक्रवार 23, सितम्बर, 2019 (दोनों दिन सहित) बंद रहेगी। कंपनी ने बुधवार, 31 जुलाई, 2019 को कंपनी के सदस्यों को एजीएम की सूचना के साथ वार्षिक प्रतिवेदन, उपस्थिति पर्ची/प्रतिनिधित्व प्रपत्र भेजने का कार्य सम्पन्न कर लिया है। सदस्यगण ध्यान दें कि एजीएम की सूचना तथा वार्षिक प्रतिवेदन कंपनी की वेबसाइट www.tarachanindia.in पर भी उपलब्ध है।

इसके अलावा, सेबी (पूंजी निर्वहन तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2009 के अध्याय एकसवी के अधीन कंपनी ने अपने शेयरों को सूचीबद्ध कर लिया है। चूंकि कंपनी द्वारा ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ ग्रहण नहीं किया गया है इसलिए शेयरधारकगण सिर्फ बैठक के स्थल पर वोट डाल पाएंगे।

जिस व्यक्ति का नाम अंतिम तारीख यानी शुक्रवार, 16 अगस्त, 2019 को सदस्यों के रजिस्टर अथवा डिपॉजिटरी द्वारा रखरखाव किए जाने वाले लाभभोगी स्वत्वाधिकारी के रजिस्टर में दर्ज है सिर्फ वे ही बैठक में वोट डाल पाएंगे/प्रतिनिधि नियुक्त कर पाएंगे। सदस्यों से एजीएम की सूचना में मुद्रित वोटिंग से संबंधित निर्देशवर्तियों को सावधानीपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है।

एजीएम से संबंधित किसी भी तरह के प्रश्न/शिकायत रहने पर सदस्यगण सुभी लिशु कंसल, कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी से 342, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज I, चंडीगढ़-160002, भारत से सम्पर्क कर सकते हैं अथवा cs@tarachanindia.in पर ईमेल भेज सकते हैं अथवा 0172-2650380 पर सम्पर्क कर सकते हैं, जो शिकायतों का निवारण करेंगी।

निदेशक मंडल की ओर से

तारा चंद लॉजिस्टिक सलूशन्स लिमिटेड

हस्ता/-

निशु कंसल

स्थान : चंडीगढ़

दिनांक : 31/07/2019



एमएमटीसी लिमिटेड
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE

touching lives, adding value

सं. एमएमटीसीसीओ/कॉम्प/चेकवॉरंट/19-20/1324/01

दिनांक: 01/08/2019

एमएमटीसी लिमिटेड द्वारा एमएमटीसी सीओ कॉम्पलेक्स लोधी रोड, नई दिल्ली में 03.09.2019 से 02.09.2020 तक जो 02.09.2020 तक ऑनलाईन सेल ऑफ चेकवॉरंट फायरवॉल का कॉम्प्लेक्सिव वार्षिक रख-रखाव अनुबंध एवं लाईसेन्सों के नवीनीकरण हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

बिड जमा करने की अंतिम तिथि **23.08.2019 (शुक्रवार) को 1200 बजे भागसा।** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया <https://mmtclimited.com> एवं <https://mmtc.abcpurchase.com> एवं <https://eprocure.gov.in> देखें।

नोट: उपरोक्त ईओआई से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर जारी किया गया तो उसे सिर्फ उपरोक्त वेबसाइट पर ही डाला जाएगा।